राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2365
आंख मिचौली
आतंकहर्ता
नागराज
RASHEED
World Terrorism

इसके कंधों में पर्वतों को भी उखाड़ सकने वाली असीमित ताकत है।
थड़ड़ड़!
इसके एक ही प्रहार ने ना सिर्फ इस वजनी स्लॉट मशीन को उखाड़ दिया बल्कि अकल्पनीय गति भी दे दी है।
पीछे की दीवार से टकराकर ये मुझे पीसकर रख देगी।
कभी-कभी मेरी ज़िंदगी में अपूर्व ताकत वाले अपराधी भी मुझसे टकराए हैं जो बचाव के लिए सोचने तक का अवसर नहीं देते। वह...
...उन्हीं में से एक है। अब ये ध्वंसक सर्प ही...
स्लिsssश
धूमम
...एकमात्र उपाय है।

रोजेक का रौद्ररूप देखकर कमजोर दिल के जुआरी केसिनो से बाहर भाग खड़े हुए थे-
रोजेक ने निर्णायक वार करने के लिए हथौड़ा उठा लिया था।
एंटोनिनो आज मेरा हथौड़ा विश्व आतंकवाद के लिए कांटा बने नागराज को मसल देगा।
विश्व आंतककर्ता नागराज भी मुझे टक्कर नहीं दे पाया।
टक्कर तुझे जरूर मिलेगी रोजेक।

नागराज तेरी आखिरी इच्छा जरूर पूरी करेगा।
थड़
थड़
मेरी पहली और आखिरी इच्छा एक ही है नागराज।
उफ।
रोज एक कत्ल करना।
और वो मैं रोज करूंगा।
वह वर्तिका है।
जुनूनी है।
खूंखार है।

धा
म
म
नागराज।
अकेला नहीं। फोड़ूंगा
या काटूंगा
ध्वसंक सर्पों ने सही समय
पर दीवार में छेद कर दिया।
धा
ड़!!!
झन्ना!
रोजेक कातिलियो। यह
रोज एक कत्ल करता है।
यह आज भी एक कत्ल
करना चाहता है। मेरा कत्ल।
झन्नाक!!!

वह इसकी जिंदगी का सबसे कीमती कत्ल साबित होगा।
झ्नाक!!!
अपनी एक ही आंख से अब इसे सिर्फ मेरी गर्दन ही दिख रही होगी।
आज तेरे खून से मेरे कुल्हाड़े की प्यास बुझ जाएगी।
इसका निशाना सटीक होगा।
सांय!!!
नागराज का सिर इटली की सबसे ऊंची इमारत पर टांगूंगा। और ये गया नागराज का सिर। हाहाहा!
एंटोनियो इस नागराज को भी मार कर मुझे ज्यादा मजा नहीं आया।
ये तो मेरी कुल्हाड़े के एक ही वार में मर गया। हाहाहा।

नागराज का सिर उसके शरीर से जुदा कर दे...
....ऐसा कुल्हाड़ा अभी बना ही नहीं रोजेक!
सटीक निशाने भी वार चूक जाते हैं।
थड़
का डड़क!
सब मिलकर मार डालो नागराज को।
एंटोनिनो सच्चा जुआरी है शेर की मौत के बाद कुत्तों से हमला करवा रहा है।
7

जुए में नसीब भिखारी को भी राजा बना देता है।
धड़
धाड़!!!
धाड़!!!
धाड़!!!
सोच रहा होगा शायद कुत्तों के हाथों ही मारा जाए नागराज?
लेकिन नसीब नागराज का भी खोटा नहीं है। तूने तो कहा था पर शायद खुद ही भूल गया।
जिंग!
...हार जाओ तो...
...मौत मिलती है!!!
ज़िंदगी भी एक जुआ है एंटोनियो...
"क्या बकते हो?..."
8

...आयरन शूज़ में नागराज हिल भी नहीं सकता।
खबर मिली है कि नागराज ने कैसीनो में जाकर कई लोगों को मार डाला है।
नागराज तो यहीं पर है।
तुम क्या खेल खेल रहे हो नागराज, ये तो मुझे नहीं पता। तुम्हारे लिए कुछ और पुख्ता इंतजाम करना होगा।
ज़रूर!
कोपो ही ट्टी कोपो सेकुरो कबोरा भी चिंतित था।
एंटोनिनो हमारी नीयत समझ गया था शायद इसीलिए पैसा ना भिजवा कर उसने हमारे आदमियों को कटवा डाला।
पर अब उससे कोई खतरा नहीं रहा क्योंकि नागराज के हाथों वो भी मारा गया।
9

खतरा तो उसकी तरफ से वैसे भी नहीं था। खतरा हमें नागराज की तरफ से है। हम सोच रहे थे कि हम नागराज के साथ खेल रहे हैं।
पर असल में खेल तो नागराज हमारे साथ रहा है। जेल में रहकर भी वो धीरे-धीरे हम तक पहुंच रहा है।
कोपो रैंगटो तो पहले ही मारा गया। अब नागराज ने एंटोनिनो को मारा डाला है।
वो एक-एक करके हमारे संगठन के अहम् लोगों को मार रहा है।
हमें जेल प्रशासन व जज पर दबाव बनाना होगा। ताकि मुकदमा तेजी से आगे बढ़े।
नागराज जितनी जल्दी हो सके, फांसी पर चढ़ा दिया जाना चाहिए।
हमें ब्राइवर को भेजना होगा।

और इसके साथ ही ओमेर्टा को भंग कर चुके कलुजियो को भी तुरंत खत्म करना होगा। वरना दल के दूसरे मेम्बर्स में इसका गलत मैसेज जाएगा। किल हिम!
जब माल हतोने की जेब में जाता है, तो किसी की क्या मजाल, जो जेलर हतोने की जेल से बाहर जा पाए।
कुछ भी करो। नागराज अब जेल से बाहर जाने ना पाए।
जज जिम स्पियर -
नागराज का फैसला जल्दी करो।
मैं पूरी कोशिश कर रहा हूं, मगर ये कानूनी मामला है। एक-दो सुनवाइयां तो होंगी ही।
...जहां डिफेंस जरा भी कमजोर हुआ, मैं अपना फैसला दे दूंगा।
"नागराज तुम समझ नहीं रहे हो।"

...यदि कोर्ट में तुम ऐसा बयान दे दो कि कैंपो रैम्बटो एक खतरनाक डॉन व आतंकवादी था और इसीलिए उसे तुमने गोली मार दी तो एक झटके में केस ही खारिज हो जाएगा।
नहीं! मैं ऐसा नहीं कह सकता।
जो काम मैंने किया नहीं, उसका इल्ज़ाम अपने ऊपर कैसे ले सकता हूं?
तो फिर तुम जेल से बाहर आना-जाना बंद करो। प्रॉसीक्यूशन इस बात को तुम्हारे खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है।
सिलिक्वानो। तुम अभियोजन पक्ष को जवाब दो।
मिस्टर टर्नर पूरा जोर लगा रहे हैं कि अगली ही पेशी में तुम पर हत्या का आरोप सिद्ध हो जाए। शायद फैसला भी हो जाए। तुम मेरे लिए कम से कम मुश्किलें तो खड़ी मत करो।
साबित करो कि नागराज जेल से बाहर नहीं निकला है। यही तो वकील का काम है।
जेलर गवाह है।

कोर्ट रूम आज खचाखच भरा होगा।
नागराज की पेशी जो है आज।
TOM
प्रॉसिक्यूशन अपना पक्ष पेश करें।
Thank you. Your honor!
हां प्रॉसिक्यूशन अपना पक्ष रखेगा! तोड़ मरोड़ कर।
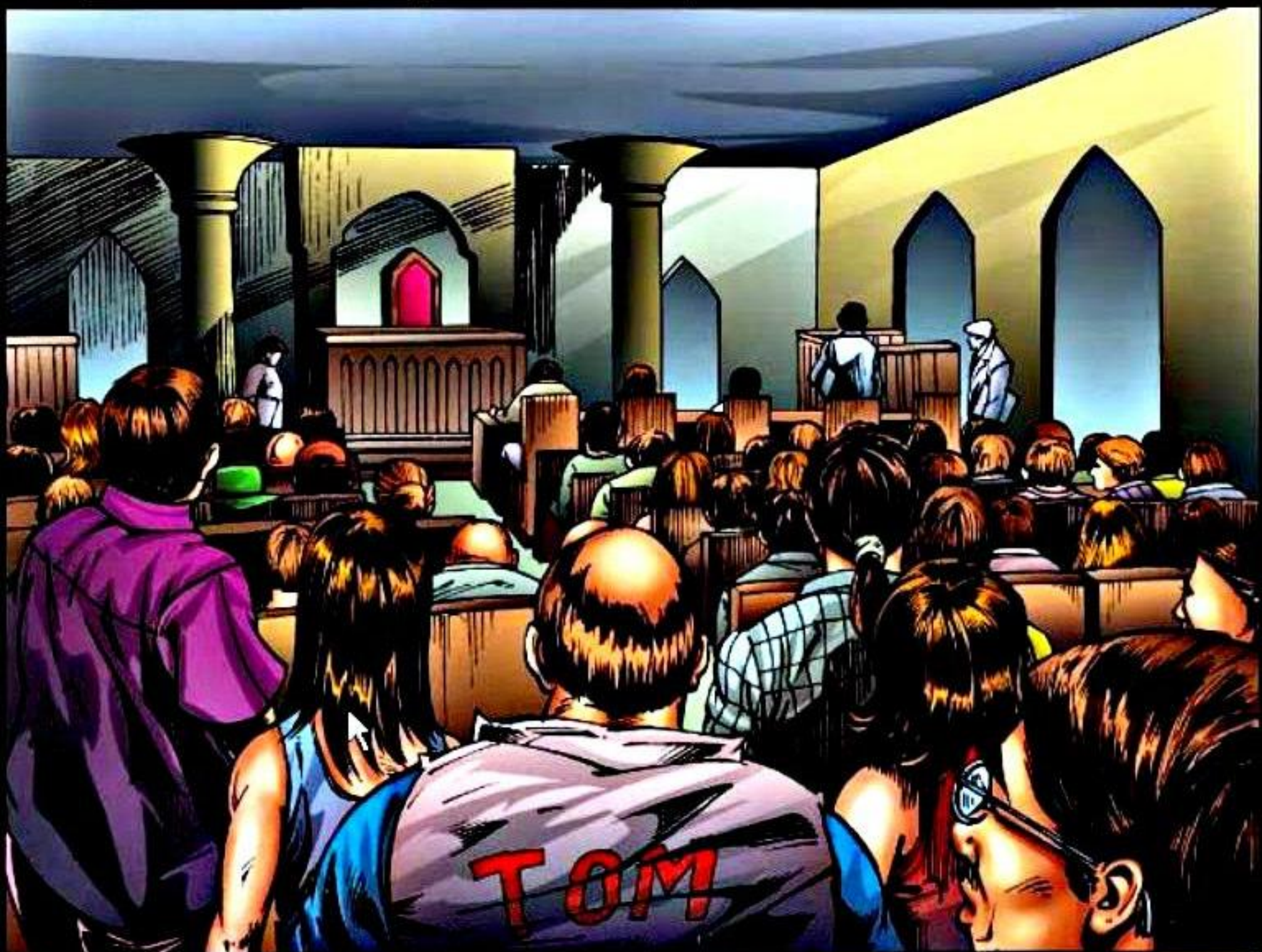
मेरी शक्तियों को मेरे ही खिलाफ सबूत बनाकर पेश किया जाएगा।
Your honor! नागराज एक खतरनाक इंसान है। उस पर कत्ल का आरोप है। उसे जेल में रखा गया है। लेकिन वो अपनी जादूगरी और चमत्कारी शक्तियों का सहारा लेकर जेल से बाहर निकल रहा है...।
वह वकील कितनी खूबसूरती से सच को झूठ और झूठ को सच बनाकर पेश करते हैं।
...और सरेआम शरीफ शहरियों को मारकर कानून-व्यवस्था की धज्जियां भी उड़ा रहा है।
Objection your honor! मेरे काबिल व सीनियर वकील इस प्रकार से बिना किसी सबूत के मेरे मुवक्किल पर आरोप नहीं लगा सकते।
Objection over ruled!
सबूत भी हैं your honor! और चश्मदीद गवाह भी।
वहां के विधाता हैं वे बेगुनाह को मौत दिलवा सकते हैं और हत्यारे को बाइज्जत बरी करा सकते हैं।
जिन्हें आंख मिचौली का खेल पसंद है वो इन वकीलों की पैरवी सुनें।
You may proceed!
योर ऑनर! नागराज दूसरी बार जेल से निकला है। इस बार उसने शेला बैंक के मालिक एंटोनिनो को उसी के कैसीनो में आकर उसके कर्मचारियों के साथ कत्ल किया है। मैं गवाह पेश करना चाहता हूं।
Objection your honor! जब नागराज जेल से बाहर निकला ही नहीं तो किसी सबूत और गवाह की आवश्यकता ही कहां है?
अच्छा है मैंने अपराधियों को कभी कोर्ट तक नहीं पहुंचाया।
वहां सच नहीं झूठ जीतता है।

मैं अहम् गवाह पेश करने की इजाजत चाहती हूं।
मेरे गवाह हैं खुद जेलर हतोने।
नागराज पर कड़ी सिक्योरिटी है। उसे आयरन-शूज़ पहनाए गए हैं। उसे विशेष मैग्नेटिक प्रभाव युक्त सेल में रखा गया है।
नागराज जेल से बाहर निकलना तो दूर, अपनी सेल में ठीक से हिल भी नहीं सकता।
मिस्टर हार्पर! आप जेलर हतोने से कुछ पूछना चाहते हैं तो पूछ सकते हैं?
N...NO question your honor!
एक और झूठ जीत गया। कितनी खुश है सिल्वियाना! लेकिन मैंने झूठ नहीं बोला। काश मुझसे ही सीधा पूछ लेते तो इसकी खुशी छू हो जाती।

एक ही समय में। नागराज जेल में था या कसीनो में? इस बात में संशय है। नागराज को वीडियो सर्विलांस में रखा जाए। मैं वीडियो फिल्म्स को मानूंगा।
मुझे माफिया से आंख मिचौली खेलने का एक मौका और मिल गया।
तब-
आपको पैसा किसलिए दिया था?
पैसा लेने का ये मतलब नहीं होता कि मैं गलती करूं और अपने पद से ही हाथ धो बैठूं। उसके पास जेलर जैसा सशक्त गवाह था।
नागराज अब देखता हूं कि तू एक साथ दो जगह पर कैसे रहता है?
कितने भी पहरे लगा लो जेलर। कितना भी लोहा पहना दो। आतंकवाद की दीमकें जहां भी होंगी, नागराज उन्हें निगलने जरूर पहुंचेगा।
"नागराज समझ नहीं रहा...."
कहानी 19 पेज से जारी-

राज कॉमिक्स पेश करते हैं 20 का जादू!
राज 20
AMAZING FRIENDS OF NAGRAJ!
दुर्दम्य सेना पंचनाग
महायोद्धा कालदूत
शूल धारिणी सौडांगी
नाग वीरांगना विसर्पी
प्रथम सेट में चार सनसनीखेज कॉमिक्स!
नागज्योति, अधूरा प्रेम, मिलन यामिनी, पंचनाग
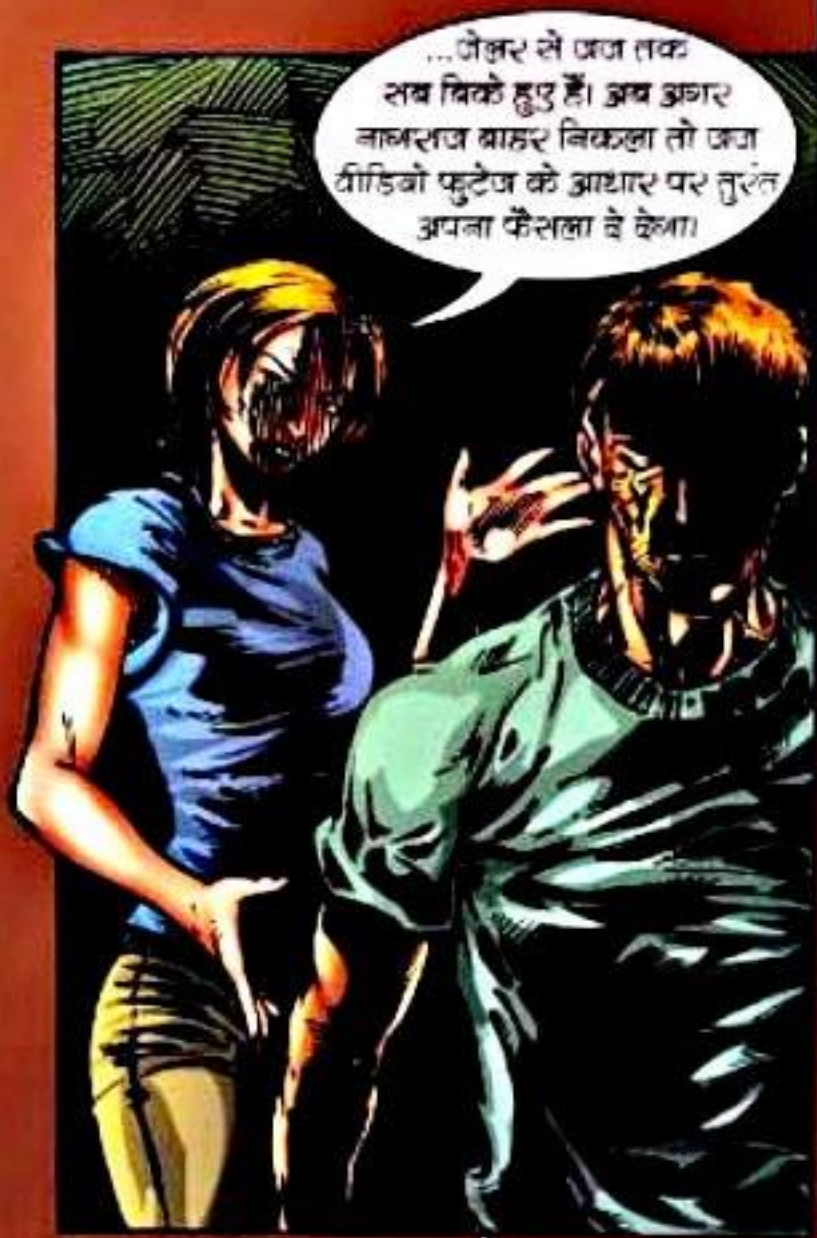
...जेलर से जज तक सब बिके हुए हैं। अब अगर नागराज बाहर निकला तो जज वीडियो फुटेज के आधार पर तुरंत अपना फैसला दे देगा।
मुझे लगता है कि नागराज अब जेल से कभी ज़िंदा वापस नहीं आ पाएगा।
अंकल!
तू क्यों चाहती है सिल्वी कि नागराज जेल के कायदे कानून तोड़कर बाहर ना आए?
उसे जाने दे!
उसे करने दे जो वो करना चाहता है!
ये आप कह रहे हैं अंकल? जिसने अपना सारा जीवन कानून का पालन करने में गुज़ार दिया।
हां। लेकिन मुझे क्या मिला? ये अंधेरे?
नागराज को भी मौत के अंधेरों में धकेला जा रहा है।
या तो वो लोग नागराज को मार देंगे...
मत रोक उसे दरिंदों को खत्म करने से। ये काम किए बिना नागराज मर गया तो उसका काम अधूरा रह जाएगा।
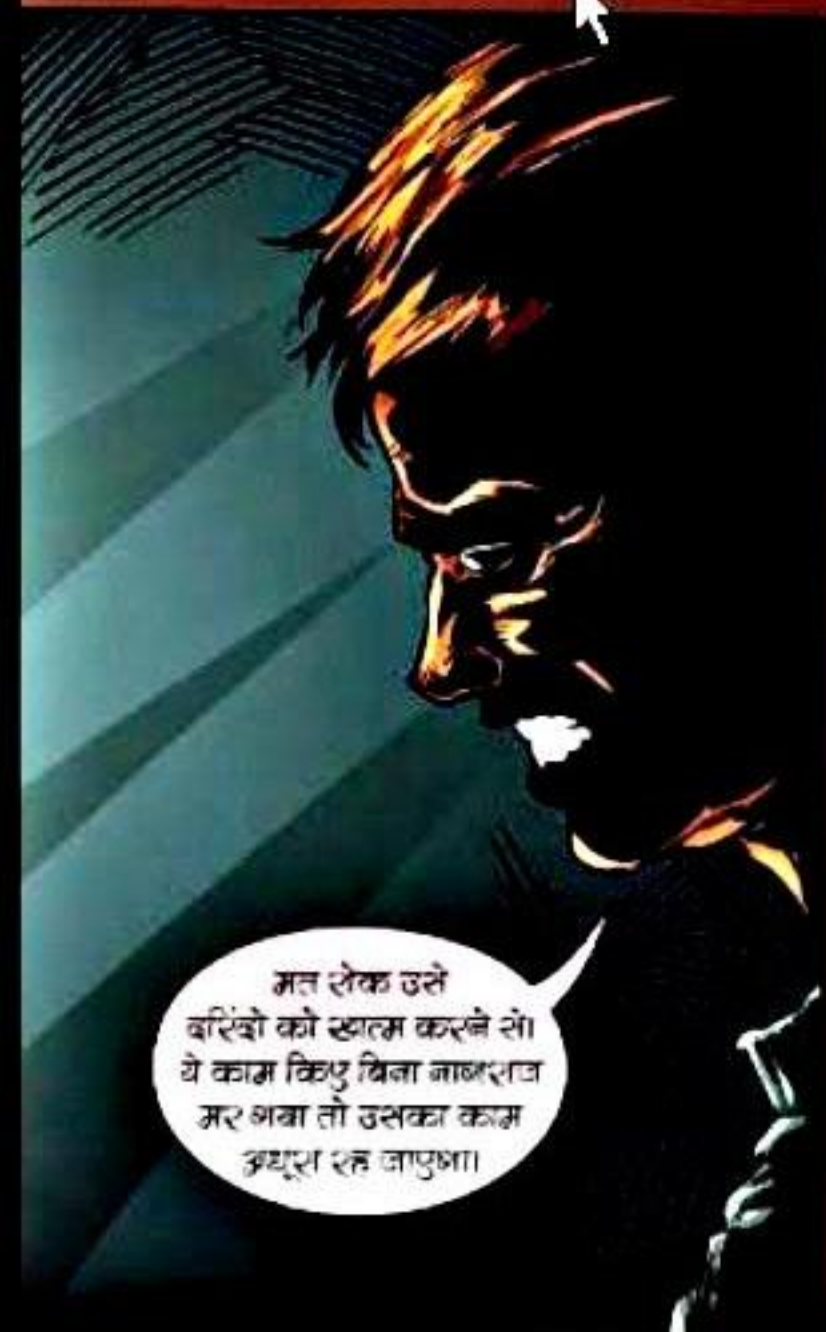
"...या फिर नागराज को उन्हें मार लेने दो।"
नागराज! एंटोनियो की मौत के बाद भी माफिया की तलवार मेरे सिर पर लटकी है....
और ये तब तक लटकी रहेगी जब तक इस संगठन का एक भी मेम्बर ज़िंदा है।
केप्री बास्तोने के बारे में बताओ। मैं उसे रंगे हाथों धर दबोचना चाहता हूं।
फिलहाल कब्रूज़ियो दबोचा गया।
तुझे नागराज की मदद करने का शौक है? तेरा शौक हम पूरा करेंगे।
थड़
थड़
नागराज! ये लोग मुझे मारने आए हैं। फर्श में मैग्नेट का प्रभाव चालू कर दिया गया है। मैं हिल भी नहीं पा रहा हूं।
ये लोग एक तीर से दो निशाने करने के चक्कर में हैं।
अगर मैं कब्रूज़ियो को बचाने निकलता हूं तो कैमरे की हद में आऊंगा।
ये इस फुटेज को आधार बनाकर मेरी पेशी अदालत में तुरंत भी कर सकते हैं और तब बास्तोने मेरे हाथ नहीं आएगा। लेकिन कब्रूज़ियो को बचाना तो होगा ही।
20

अब बुला नागराज को। देखें कैसे आता है वो तुझे बचाने।
थड़
मैं तो आ सकती हूं। मेरे बारे में क्या विचार है?
मैं हूं सौडांगी!!
नागराज की दोस्त।
धाड़!!!
आह!!
नागराज की मददगार और...
आह!!
ढिशुम
आह!!
धाड़!!!
...नागराज के दुश्मनों की दुश्मन।

जेलर हलोने से लड़ने के लिए नागराज ने एक लड़की को भेज दिया।
आह!
लेकिन लड़की को भेजा कैसे? यह जेल में आ कैसे गई?
पहले इस छम्मक छल्लो का कचूमर निकालो।
चीख उठा क्लूजियो।
घबराओ मत क्लूजियो उसे कुछ नहीं होगा। वो अपनी जंग जीतना जानती है।
रुक जाओ कमीनो। बेबस लड़की पर हाथ उठाते शर्म नहीं आती। मुझे मारने आए थे। मुझे मारो।
नागराज ये तुम्हारी बेहोश दोस्त को मार रहे हैं।
वो पिरामिहों की रानी है।

...रानियां शेरनी होती हैं। शेरनी कुत्तों से हारा नहीं करतीं...
...जीतती हैं।
खचाचचचाक
खचाचचचाक
अब देखना है कि मेरा कचूमर निकलता है या...
...होते हैं...

...तुम्हारे शरीर....
...हलकी!
जेलर हतोंजे अब तू बचा...
अब तेरी यह खटका रॉड तेरे हाथ में नहीं रहेगी!
...और बची है तेरी खटका रॉड।
तुझे पहला वार करने का मौका देती हूं।
मेरा निमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद जेलर!

अब बोल जेलर काटों से बांध दू तुझे या करंट का स्वाद चखाऊं!
तू तो नागिन है!
हां! कहा था ना नागराज की दोस्त हूं!
मुझे माफ कर दो! बख्श दो मेरी जान! अब से मैं नागराज के मामले में नहीं पडूंगा!
ठीक है मैं तुझे आखिरी मौका देती हूं!
आशा है जब तू होश में आएगा तो रास्ते पर आ चुका होगा!
थैंक्यू, सौडांगी!
यू आर वेलकम कलूजियो!
आऊ...
तुम?
25

कलूजियो। अगला नाम बताओ।
तुम अपनी सैल से बाहर कैसे आ गए? वो कैमरे?
उनकी चिंता तुम मत करो। और मेरा समय खराब मत करो।
तुम्हारे लिए मेरे पास कुछ है।
तुझे कानून तो बाद में फांसी देगा। पहले मैं दूंगा। डेल-पपोलो पर। मैं तेरा इंतजार कर रहा हूं। नागराज। -बास्तोने
मुझे भी तुमसे मिलने का इंतजार है बास्तोने।
उसकी मौत को इतना आसान मत समझो नागराज। बास्तोने और उसकी पत्नी माइका दोनों बहुत जोरदार फाइटर हैं।
नागराज। माइका की पॉवर फिस्ट और पॉवर किक से आज तक कोई जिंदा नहीं बचा।
और एक बार बास्तोने की पॉवर ग्रिप में आ गए तो शव बनकर ही निकल पाओगे।
अप्पी सिंह जेल के बाहर नागराज का इंतजार कर रहा था।
अप्पी सिंह। मुझे डेल पपोलो पर ले चलो। वहां कोई मेरी प्रतीक्षा कर रहा है।
नागराज भाप। सिल्विवानो जी कह रही थीं कि आप जेल से बार-बार बाहर आकर केस को खराब कर रहे हो। आप ऐसा क्यों कर रहे हो?
आतंकवादियों की चालों के जवाब तो मुझे देने ही हैं अप्पी सिंह।
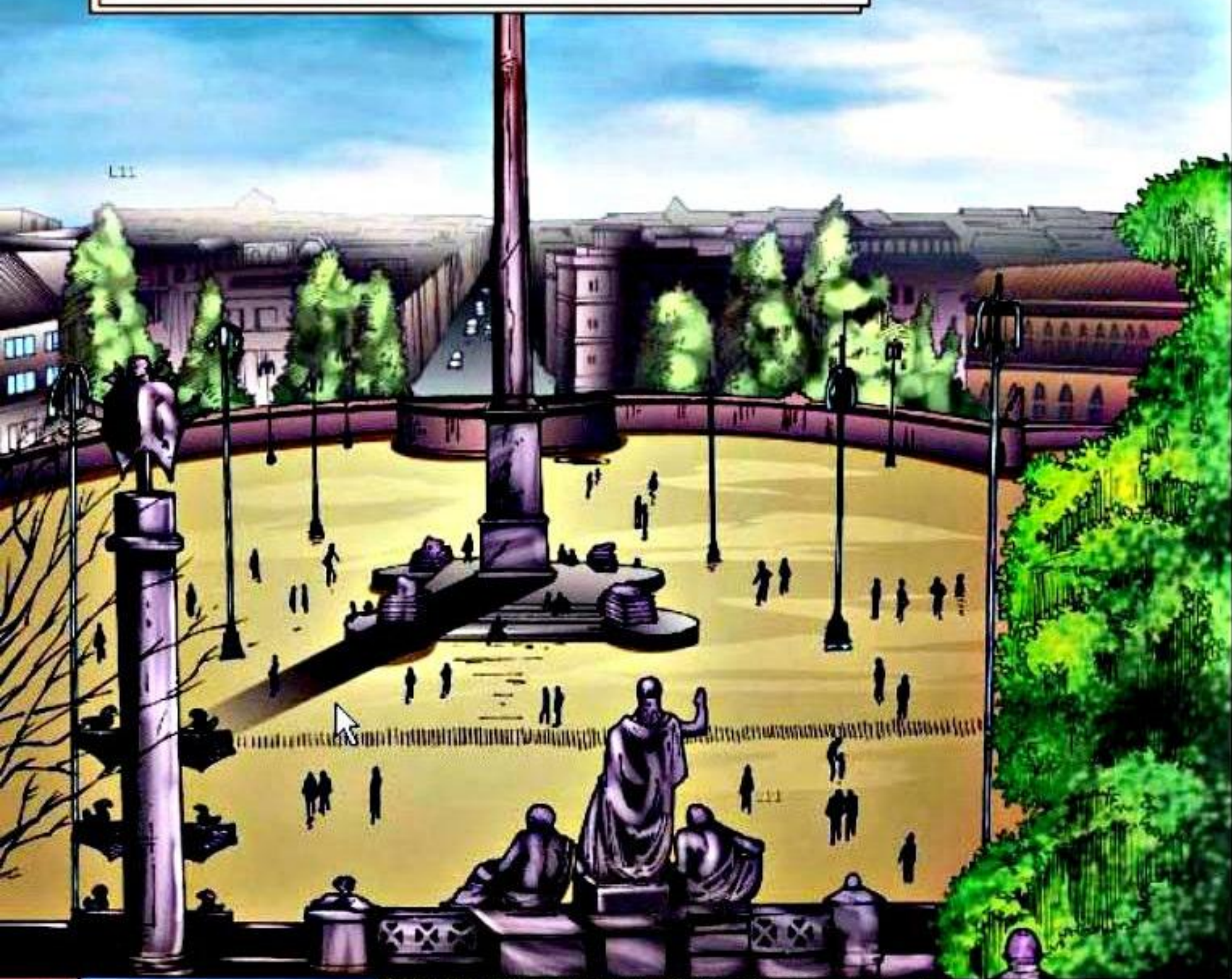
"नागराज! ये है डेल पपोलो की ओबेलिस्क टॉवर। कहते हैं यहां 1926 में आखिरी फांसी दी गई थी।"
"गलत कहते थे लोग।..."

आखिरी फांसी आज ही आएगी।
गड़ गड़ गड़ गड़
गड़ गड़ गड़ गड़
गड़ गड़ गड़
सेना की एक बड़ी टुकड़ी की तरह बौरसोने की फोर्स ने नागराज को घेर लिया था-
ताकतवर फोर्स-
घातक हमला-
सैंकड़ों शिकारी।
28

निशाना एक
नागराज
लेकिन नागराज खुद एक सेना है।
हजारों विषधरों की सेना।
जिनकी ताकत उसके जिस्म में बहती है-
बेपनाह ताकत।

लेकिन आज वो ताकतवर भी झेल रहा था बेशुमार प्रहार।
...एक ज़ख्म भरने से पहले बस नए ज़ख्म खा रहा था उसका जिस्म-
इतने प्रहार कि...
कुछ पलों में ही आज लहूलुहान हो गया था नागराज।
जिसे अपनी जान की कीमत पर भी आतंक का लहू सुखाना है।
लेकिन चिरते जिस्म बहते लहू की परवाह जिसे नहीं।
वही तो है नागराज।

ऐसा लग रहा है जैसे सारी शारीरिक शक्ति चूस ली गई है।
थकान हावी हो रही है।
मस्तिष्क अचेतन हुआ जा रहा है।
वाह नागराज वाह! खूब लड़ा तू!
....सदा की नींद में सो जा।
बुरी तरह थक गया है। अब फांसी पर लटक कर...
सदियों का आराम कर।
लग गई नागराज को फांसी! नागराज का खेल खत्म हुआ! मुबारक हो माइका!
तुम्हें भी मुबारक हो वास्तोनो!

शायद यही है हेल पपोलो की आखिरी फांसी।
इतना अशक्त हो गया हूं कि मस्तिष्क को एकाग्र नहीं कर पा रहा हूं।
पल प्रति पल कसता यह फंदा मौत की ठंडी सिहरन का अहसास करा रहा है।
ओह नहीं।
नागराज तो फांसी चढ़ गया।
पुलिस को फोन करो।
कोई पुलिस को फोन नहीं लगाएगा।
नागराज जेल के बाहर यहां है यह बात पुलिस को नहीं पता चलनी चाहिए।
फांसी चढ़ेंगे नागराज आपे के दुश्मन।
फांसी जल्लाद देते हैं।
जल्लादों को फांसी नहीं दी जाती।

बासोगे! अब तक आंतकवाद जाग रहा है नागराज सदियों की नींद तो क्या एक झपकी भी नहीं ले सकता।
आराम नहीं करेगा नागराज!
नागराज अब तू मेरी पॉवर ग्रिप की पकड़ में आ गया है।
अब तू नहीं बचेगा!
फायर!!
इसकी पकड़ की मैं कोई मिसाल नहीं दे सकता। मैंने मजबूत से मजबूत बंधन पलों में तोड़ डाले हैं लेकिन ऐसे मजबूत बंधन ने मुझे आज तक नहीं जकड़ा है।
33

चारों तरफ छुपे बैठे बास्तोने के अचूक निशानचियों ने धुआंधार गोलियां बरसा दीं।
मेरा जिस्म तो गोलियों को बाहर उगल देता है भला मुझे इस बुलेट फायर से क्या नुकसान होना है।
या होना है क्योंकि हर पल मेरे शरीर में पेवस्त हो रही हैं कई सौ गोलियां।
हरपल।
नॉन स्टॉप
क्या इतनी तेज़ी से और इतनी तादाद में बरसती गोलियों को मेरा शरीर बाहर उगल सकता है?
और तब क्या जब कोई अचूक गोली मेरे सिर से टकराने के लिए चली हो।
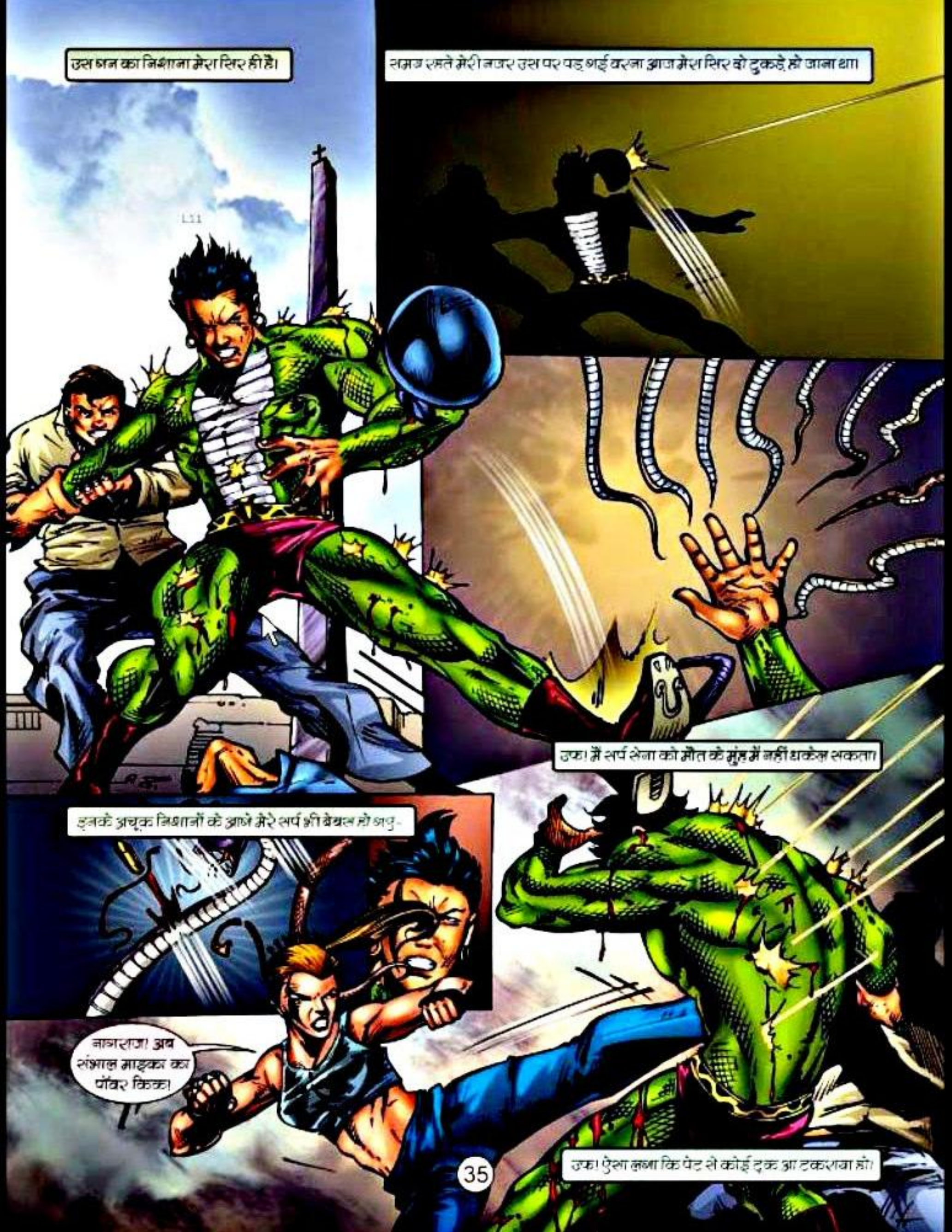
उस गन का निशाना मेरा सिर ही है।
समय रहते मेरी नजर उस पर पड़ गई वरना आज मेरा सिर दो टुकड़े हो जाना था।
उफ! मैं सर्प सेना को मौत के मुंह में नहीं धकेल सकता।
इनके अचूक निशानों के आगे मेरे सर्प भी बेबस हो गए-
नागराज! अब
संभाल माइकल का
पॉवर किक!
उफ! ऐसा लगा कि पेट से कोई ट्रक आ टकराया हो।

ऐसे ताकतवर घूंसे और दमदार किक मैंने आज तक नहीं खाए। मैं होश खो रहा हूं।
पॉवर फिस्ट का भी स्वाद चखा। तेरा जिस्म तो खून उगल ही रहा है तेरा मुंह भी खून की उलटी करेगा।
यह घूंसे नहीं हो सकते।
कोई रोड रोलर मुझे रौंद रहा है क्या?
कड़ कड़
दर्द की अधिकता से मैं बेहोश हुआ अब यह दर्द मेरी जान ही ले लेगा।
WEIGI AG 5318
कड़ाक
कड़ाक
बेहोशी में भी जिस्म और दिमाग इतनी पीड़ा महसूस करते हैं क्या?
इतनी पीड़ा हुई है आज कि शायद मौत के बाद भी आत्मा तड़पती रहेगी।
मौत?

मन के माने हार है। मन के माने जीत। मन के माने मौत है और मन के माने संजीत।
सुन माइका। सुन नागराज की हड्डियां कड़कने की आवाज। कितनी मधुर है।
और इस खेल को BBC पूरी दुनिया में दिखाएगी। मैं जानता था कि नागराज यहां आएगा और अब यह लाइव कवरेज इसे दोहरी मौत मारेगी।
इस फुटेज को BBC पर देखने के लिए लोग अपने-अपने टी.वी. सैटों पर टूट पड़ेंगे।
नहीं मरना अभी मुझे। वही पीड़ा आतंकवादियों को पहुंचानी है।
अब ये मेरी पॉवर ब्रिप के फंदे में ही अपनी आखिरी सांस लेगा।
एक आखिरी घूंसा इसके टेंटुए पर मार और इसे मुक्ति दे।
BBC

बास्तोने अब समय है नाग नृत्य का।
यह गई तेरी पॉवर खिप तेरी बाजुओं के साथ।
और वो गई तेरी लात-घूंसों की मल्लिका। पिरामिडों की रानी का जहर चखने के बाद पॉवर विहीन ही नहीं जीवन विहीन हो गई।
तेरे सभी अचूक निशानची मेरी सर्प सेना के कब्जे में हैं...
...जिन्हें मैंने सूक्ष्म रूप में उनके पास भेजा था।
जब मुझे होश आया तो गोलीधारी बंद थी। मैं तो समझ गया लेकिन तू ताकत के नशे में बहरा हो गया था शायद।

बीन बजनी बंद होते ही नाग आक्रमण कर देता है बास्तोने।
ये है डेल पपोलो की आखिरी फांसी।
इटली माफिया सरेंडर कर दो नहीं तो अंजाम जहरनाक होगा।
BBC के उस प्रसारण ने इटली प्रशासन के होश फाख्ता कर दिए।
पूरी दुनिया के सामने उन निर्मम हत्याओं ने इटली की संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया था। प्रेसीडेंट भी सवालों के कटघरे में खड़े कर दिए गए।
मिस्टर जिम स्पिदर नागराज को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी थू-थू हो रही है।
39

लानत है! हम एक आदमी को जेल में नहीं रख पा रहे।
नागराज के सामने हमारा कानून तक मजाक बनकर रह गया है।
ये देश की साख का सवाल बन गया है मिस्टर जिम स्पियर।
हमें इमिडियेट फैसला चाहिए। नागराज की अगली ही पेशी पर।
बी.बी.सी. की फुटेज के आधार पर जिमस्पियर ने मान लिया कि नागराज जेल से बाहर निकला है।
नागराज की जमानत की अर्जी खारिज की जाती है।
मैं डिफेंस को नागराज को निर्दोष साबित करने का आखिरी अवसर देता हूं। उसके बाद मैं फैसला दूंगा।
थैंक्यू, योर ऑनर!
मैं ये कहना चाहती हूं कि नागराज किसी को गोली से नहीं मारता। वो सांपों या जहर का प्रयोग करता है। नागराज ने कोपो रैम्बटो को नहीं मारा है।
ऑब्जेक्शन योर ऑनर!

इसीलिए तो नागराज ने ऐसा कदम उठाया ताकि अदालती कार्यवाही में इसी मुद्दे को आधार बनाकर खुद को निर्दोष साबित करवा सके।
ऑब्जेक्शन सस्टेंड।
योर ऑनर? मेरे पास एक चश्मदीद गवाह है जो ये साबित करने के लिए काफी है कि नागराज ने रैंग्टो पर गोली नहीं चलाई।
और वो गवाह है टैक्सी ड्राइवर झप्पी सिंह।
मिस्टर झप्पी सिंह। रोम में नागराज ने आपकी टैक्सी को हायर किया हुआ था। आपने घटनास्थल पर क्या देखा?
योर ऑनर! नागराज कह रहा था कि केपो रैंग्टो सरेंडर करने वाला है। मैं जब रेस्तरां पहुंचा तो...
...म...मैंने देखा कि नागराज के हाथ में पिस्तौल है और वो केपो रैंग्टो पर गोली चला रहा है। नागराज ने केपो रैंग्टो की हत्या की है योर ऑनर।
ऑब्जेक्शन योर ऑनर।
झप्पी सिंह। ये...ये क्या कह रहे हो?

डिफेंस का अपना अहम् गवाह ही अब सच बयान कर रहा है तो इस केस में अब कुछ बाकी नहीं रह जाता। साबित हो चुका है कि नागराज हत्यारा है। अब इस मामले को और ना लटकाया जाए योर ऑनर बल्कि नागराज को उसके इस गुनाह के लिए फांसी पर लटकाया जाए।
मैं हार गई! मैं हार गई।
नहीं! नहीं! उफ? ये नहीं हो सकता।
नागराज चमत्कारी सर्प शक्तियों से लैस एक खतरनाक इंसान है। अदालत द्वारा बार-बार आगाह करने के बावजूद भी नागराज जेल से बाहर निकलकर निर्दोष लोगों का खून बहाता रहा। नागराज पर हत्या का आरोप साबित हो चुका है। और अब मैं फैसला सुनाता हूं!
किस्मत का खेल। अपने खिलाड़ी भी इस खेल में विपक्षी बन जाते हैं!
वाह री आंख मिचौली
नागराज को फांसी होगी या नागराज करेगा-
पांचवां शिकार
42
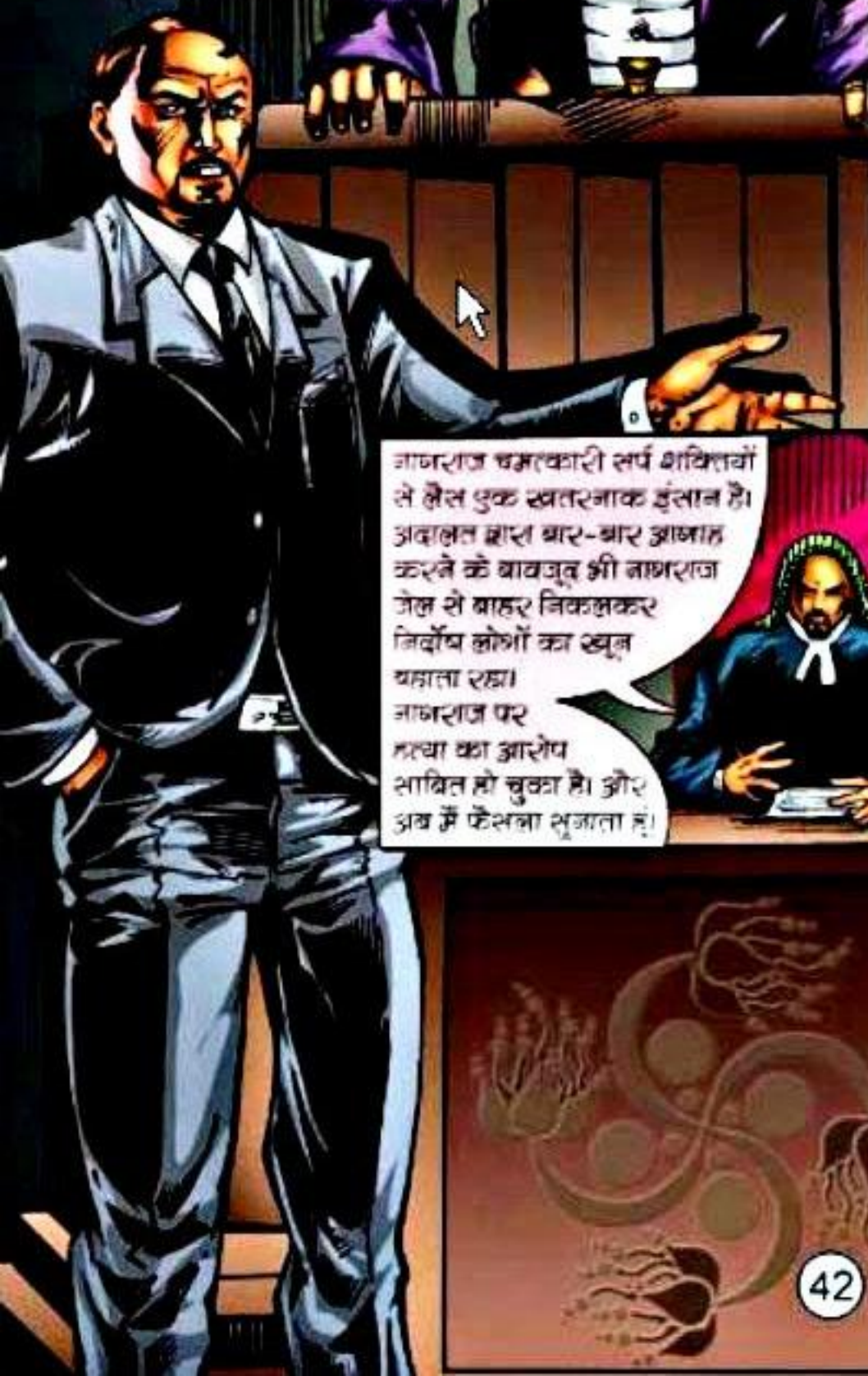
इस वर्ष इन छुट्टियों में यूं तो बहुत से नए धमाके किए जा रहे हैं किंतु सबसे अनोखा धमाका है 'राज 20'। 'राज 20' के पहले सैट में नागराज के चार सह किरदार- महात्मा कालदूत, विसर्पी, सौडांगी और पंचनाग की शानदार कॉमिक्स आ रही हैं। यह कॉमिक्स 20 पेज की होंगी और अपने आप में सम्पूर्ण कथाएं होंगी। सभी कहानियां बहुत ही रोचक व रोमांचक हैं जो आपको कल्पनालोक की अद्‌भुत सैर करवाएंगी। इन चारों कहानियों के लेखक हैं विवेक मोहन जी। कॉमिक्स हैं क्रमशः- 'मिलन यामिनी', 'नागज्योति', 'अधूरा प्रेम', 'पंचनाग'। हमारी कोशिश रहेगी कि इन ग्रीष्मावकाश में 'राज 20' की 12 कॉमिक्स अवश्य प्रकाशित हो सकें।

इन कॉमिक्स की झलकियां आपको दे रहा हूं। 'मिलन यामिनी'-कालकूट विषधारक महात्मा कालदूत नागद्वीप का अद्वितीय अमर नागयोद्धा जिसके तीन शरीर हैं। किंतु कभी वो विभक्त थे उन्हीं में से एक नाग योद्धा महाविष्या जोकि नागलोक के नाग सम्राट महाव्याल को चक्रवर्ती सम्राट बनाने के लिए कृत संकल्प था। नाग सम्राट महाव्याल को चक्रवर्ती सम्राट बनाने के पश्चात् वो पहुंचा अपनी प्रेयसी सर्पगंधा से मिलने। वो थी मिलन यामिनी यानि प्रेमियों के मिलन की रात्रि। किंतु उसी समय नागलोक पर आ गया एक भयानक संकट और महाविष्या को नागलोक की रक्षार्थ करना पड़ा एक अद्‌भुत बलिदान जोकि उसके जीवन का बन गया महाअभिशाप। 'नागज्योति'- नागराज से नाराज विसर्पी नागद्वीप से उसकी यादों को भी मिटा डालना चाहती है। ऐसे समय में नागद्वीप पर आक्रमण करता है अंधक जो नागद्वीप से नागज्योति ले जाना चाहता है। उसी समय नागद्वीप पर होता है दोहरा आक्रमण। नागदस्यु कोबराक नागद्वीप का खजाना और नाग वीरांगना विसर्पी का हरण करने पहुंच जाता है। अब बिना नागराज के नागद्वीप की रक्षा कैसे करेगी विसर्पी तब जबकि सभी नागद्वीप वासी नागज्योति के चोरी हो जाने के कारण खो चुके हैं अपनी नेत्र ज्योति। 'अधूरा प्रेम'- पिरामिडों की रानी को मिश्र से आता है निमंत्रण। वो नागराज से विदा लेकर जाती है मिस्र और वहां रहस्यमयी पिरामिडों की दुनिया में उसका सामना होता है अपने भूतकाल से जहां खोया हुआ है उसका अधूरा प्रेम। वही प्रेम जिसने सौडांगी के जिस्म पर सजा दिए थे कांटे। 'पंचनाग'- नागार्जुन, सिंहनाग, नागदेव, नागप्रेती, सर्पराज कौन हैं ये महा नागयोद्धा? कहां से आए ये नागद्वीप पर? क्यों करते हैं ये नागद्वीप के राज सिंहासन की रक्षा? एक रहस्य से पर्दा उठेगा और नजर आएगी बलिदान और कर्तव्य की एक अनूठी कथा।

अंत में मैं राज कॉमिक्स के सभी प्रशंसक मित्रों से अनुरोध करूंगा कि राज कॉमिक्स वेबसाइट पर अवश्य आएं जहां आपको नई-नई सूचनाओं के अलावा मुफ्त **E-Comics** भी पढ़ने को मिलेंगी। राज कॉमिक्स फोरम्स पर आप अपने विचार भी रख सकते हैं और नए राज कॉमिक्स प्रेमी दोस्त भी बना सकते हैं। जिन पाठकों को राज कॉमिक्स खरीदने में परेशानी आती है वो राज कॉमिक्स वेबसाइट के ऑन लाइन स्टोर से डिस्काउंट में कॉमिक्स भी मंगा सकते हैं। अब आगामी तीन सैट्स की सूची आपको दे रहा हूं।

सेट 1		सेट 2		सेट 3	
पांचवां शिकार	(नागराज)	26/11	(नागराज और डोगा)	हल्ला बोल	(नागराज और डोगा)
स्पीड X	(डोगा)	स्पीड ब्रेकर	(डोगा)	थांबा	(डोगा)
प्रेम प्रतीक	(कोबी-भेड़िया)	प्रेम रत्न	(कोबी-भेड़िया)	प्रेम अश्रु	(कोबी-भेड़िया)
आरंभ	(योद्धा)	सूर्यांश	(योद्धा)	सृष्टि	(योद्धा)
प्रथम भोकाल	(भोकाल)	परी जन्म	(भोकाल)	देव युद्ध	(भोकाल)
रक्त पिपासु	(थ्रिल हॉरर)	मौतुड़ा	(थ्रिल हॉरर)	पांच सौ फंदे	(थ्रिल हॉरर)
टेढ़ी पूंछ	(बांकेलाल)	बलि का बकरा	(बांकेलाल)	दूध घास	(बांकेलाल)
		गहरी चाल	(फाइटर टोड्स)		

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : ग्रीन पेज नं. **290**, राजा पॉकेट बुक्स, **330/1**, बुराड़ी, दिल्ली-**84**

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

जनून!

धन्यवाद

आपका-संजय गुप्ता

GREEN PAGE NO. 290